Prof. Madan Mohan Jha: - 35 Apps **(Page 2 - 35)**

Dr. Vishvanath Hegde: - 5 **Apps (Page 36 - 37)**

प्राविधिकं संस्कृतम् DIGITAL SANSKRIT

संस्कृत के तन्त्रांश (एप)

निर्देशन-

प्रो. मदन मोहन झा

निर्माण-

सृजन झा एवं श्रुति झा

https://play.google.com/store/search?q=srujan+jha&c=apps

https://www.facebook.com/groups/175761639431936

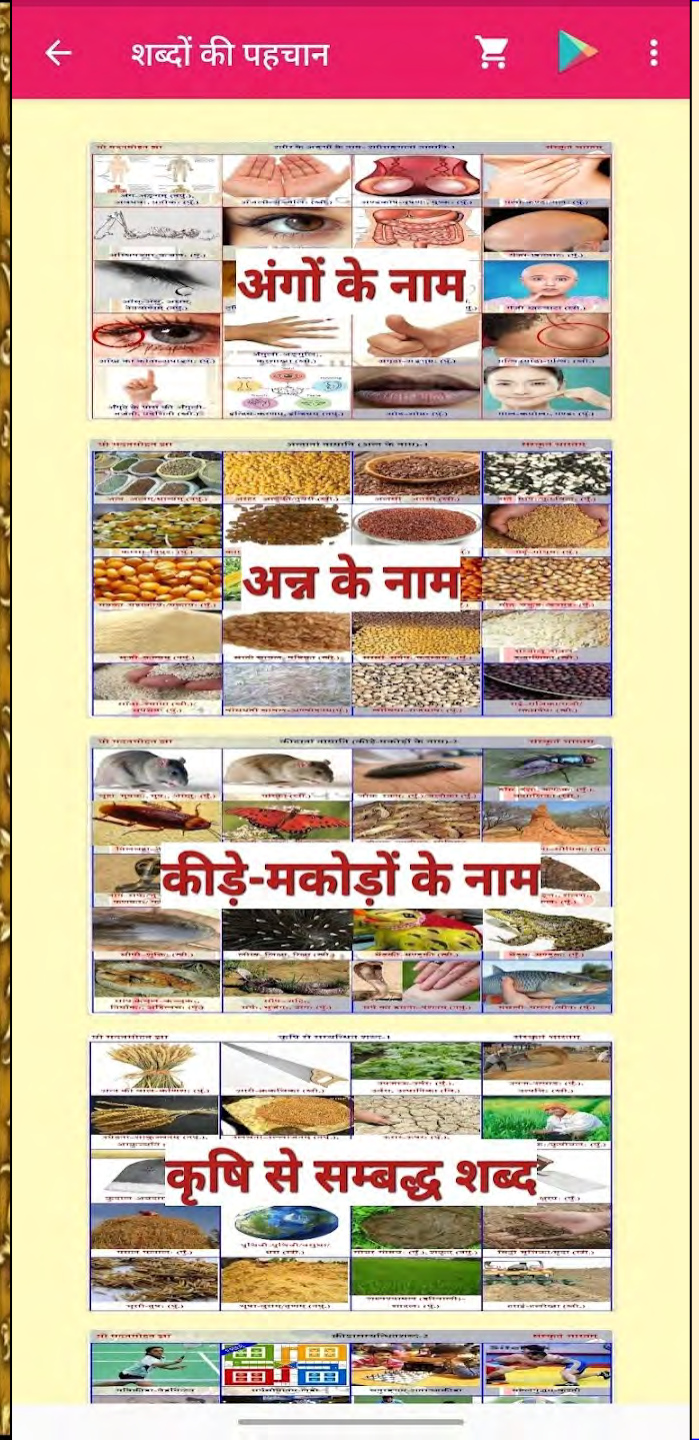

भारतीय नई शिक्षा नीति 20 में संस्कृत भाषा को सुदृढ बनाने के लिए फाउण्डेशनल संस्कृत का प्रचार प्रसार आवश्यक है। बच्चों को संस्कृत के शब्द का ज्ञान करना अत्यावश्यक है। इस मनोवैज्ञानिक युग में शब्दार्थ रटाना उचित प्रतीत नहीं होता है। अत: क्वीज के माध्यम से शब्दों का ज्ञान कराने वाले इस एप का निर्माण मेरे द्वारा किया गया है। यह एप सच में अद्भुत् है। इसमें विभिन्नप्रकार के व्यावहारिक शब्दों का संग्रह कर के उनका चित्र संकलित किया है। इससे बच्चों को खेल के माध्यम से शब्दज्ञान हो।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.chitrabodh

Download-380

माह्लू अपनी मातरी-भाशा दे इलावा कुसै दुए प्रदेश दी भाशा जां मातरी-भाशा सिक्खने च म्हेशा रुचि रखदा आया ऐ। दुआ किश लोकें गी अपने नौकरी पेशे, पढ़ाई दे सिलसले च जां कुसै होर कम्मै-काजै लेई केई बारी दुए प्रदेश च जाना पौंदा ऐ ते उ'नें लोकें गी उस प्रदेश दी भाशा सिक्खने दी म्हेशा जिज्ञासा बनी रौंह्दी ऐ। साढ़े डुग्गर प्रदेश च बी नेह् केई लोक आई बस्से दे न जेह्ड़े ना ते डोगरी भाशा बोल्ली सकदे न ते ना गै समझी सकदे न। एह् डोगरी शब्दावली किताब बी खास करियै उ'नें लोकें दी सुविधा आस्तै त्यार कीती गेई ऐ जिं'दी मातरी-भाशा डोगरी नेईं ऐ ते ओह् डोगरी भाशा सिक्खने ते डोगरी च गल्ल-बात करने दे इच्छुक न। मेद ऐ एह् किताब उ'नें लोकें आस्तै किश उपयोगी सिद्ध होग।

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.sanskrit_dogri

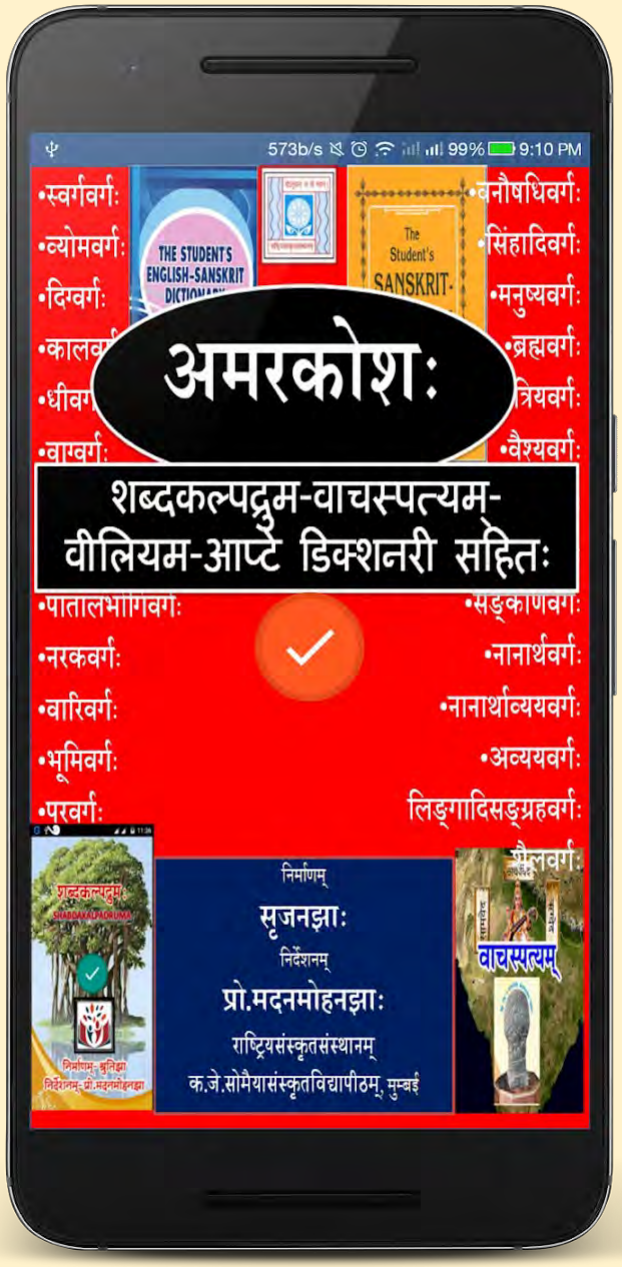

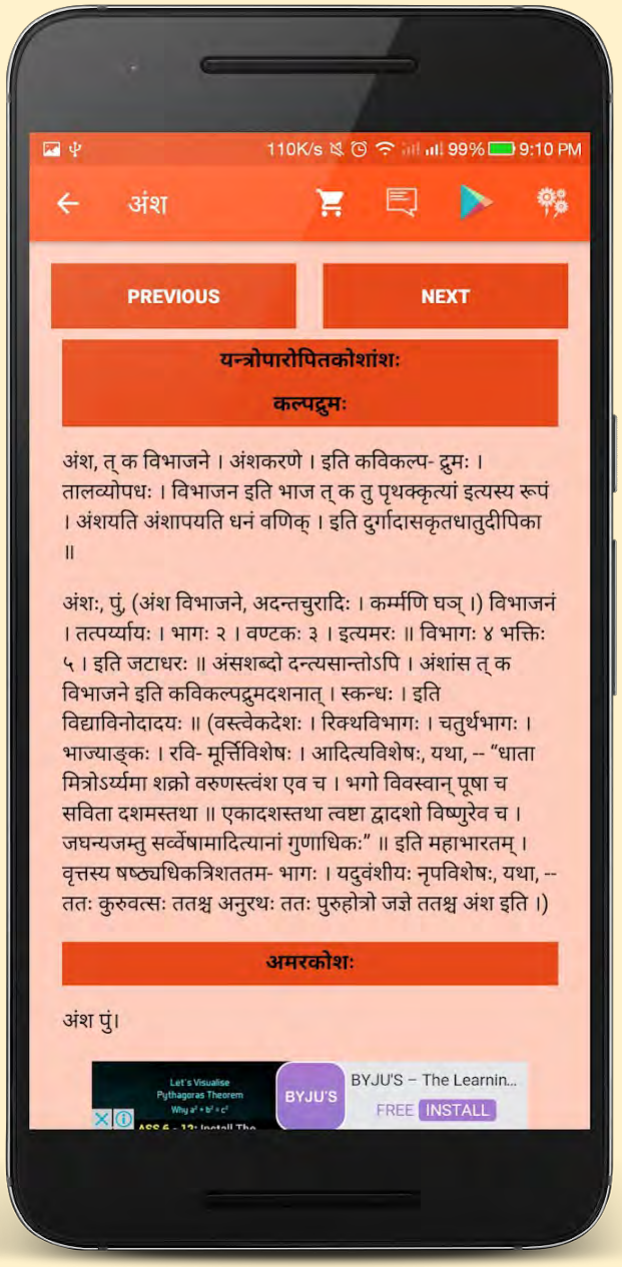

अमरकोश ग्रन्थ का एण्ड्रॉयड एप्लिकेशन प्रस्तुत कर रहा हूँ। यह मात्र अमरकोश नही शब्दकोश संग्रह ही है। इसमें सभी शब्दों का पर्याय पद, लिंग, अर्थ आदि को दर्शाया गया है। साथ ही उपयोगकर्ता के सौलभ्य हेतु उनके शब्दकल्पद्रुम, वाचस्पत्यम्, वीलियम मोनियर ,आप्टे अंग्रेजी डिक्शनरी, शब्दसागर, पुराणकोश वेदिक इन्डेक्स आदि भी दिया गया है। आशा है कि उपयोगकर्ता को उपयोग में सुलभ होगा और विद्वान अपना महत्वपूर्ण राय अवश्य देंगे।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.amarkosh

Download-17.2K

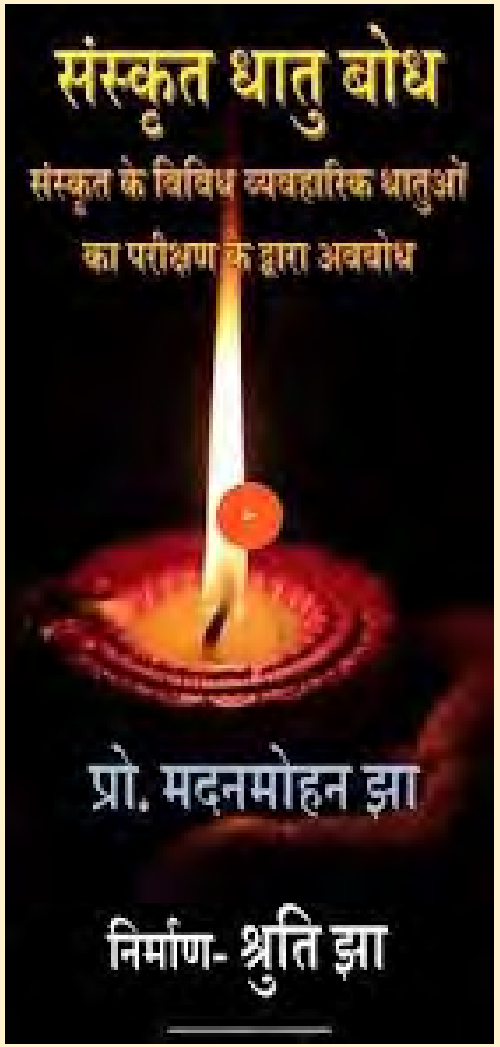

विभिन्नप्रकार के व्यावहारिक धातुओं का संग्रह कर के उनके अर्थ एवं गण पद आदि का विशेष उल्लेख कर के इस एप का निर्माण किया जा रहा है। यह मात्र एक दिशा है। इससे बच्चों को खेल के माध्यम से स्कृत के क्रियाओं का ज्ञान हो जाता है। शिक्षा में क्रीडा विधि का प्रयोग बालकों के लिए उत्तम माना गया है। अतः इस एप को भी क्रीडा विधि पर आधारित बनाया गया है। इस में एप में प्रमुख तथा व्याहारिक 600 धातुओं का 12 अध्यायों में संकलन किया गया है।इस में क्रिया का एक रूप प्रदर्शित होता है जबकि उसके चार ऑप्सन आता है। अब रूप के अनुसार धातु का चयन करें। उत्तर सही होने पर उसका हिन्दी अर्थ भी प्रदर्शित होता है तथा अगर उस धातु के सम्पूर्ण रूप देखना चाहे तो ऑप्सन आ जाता है कि- रूप देखें। साथ ही अगले प्रश्न पर जाने का अवसर भी प्रदर्शित हो जाएगा।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.sanskritdhatubodh

Download-
904

भारतीय नई शिक्षा नीति 20 में संस्कृत भाषा को सुदृढ बनाने के लिए फाउण्डेशनल संस्कृत का प्रचार प्रसार आवश्यक है। बच्चे संस्कृत से प्रायः घबराते हैं, कारण कई हैं। इसमें संस्कृत वर्णमाला का ज्ञान न होना भी महत्त्वपूर्ण कारण है। कई प्रदेश में तो बच्चों को देवनागरी का ही ज्ञान नही होता है। इसीलिए इस एप का निर्माण किया गया है। इस एप में प्रायः सभी वर्णों तथा वर्णों से बनने वाले प्रत्येक का 6 शब्द अर्थसहित दिये गए हैं।

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.sanskritalphabets

Download-17.2K

शैक्षिकाभिवृत्तिपरीक्षणम्, नामक यह एंड्रॉयड ऐप शिक्षाशास्त्र तथा मनोविज्ञान विषयक शैक्षिक अभिवृत्ति विषय लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहे स्नातक और परास्नातक की विषयवस्तु पर केंद्रित है। शैक्षिकाभिवृत्ति विषय के विविध प्रश्नपत्रों को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण किया गया है शिक्षा शिक्षण तथा मनोविज्ञान से सन्दर्भित प्रश्नावलियों का संकलन यहाँ किया गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे NET, SLET, JRF, CPSST, CPSAT, CSVVT आदि) के अनुकूल वस्तुनिष्ठता पर आधारित प्रश्नपत्रों का प्रारूप इस ऐप की मुख्य विशेषता है।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.edutest

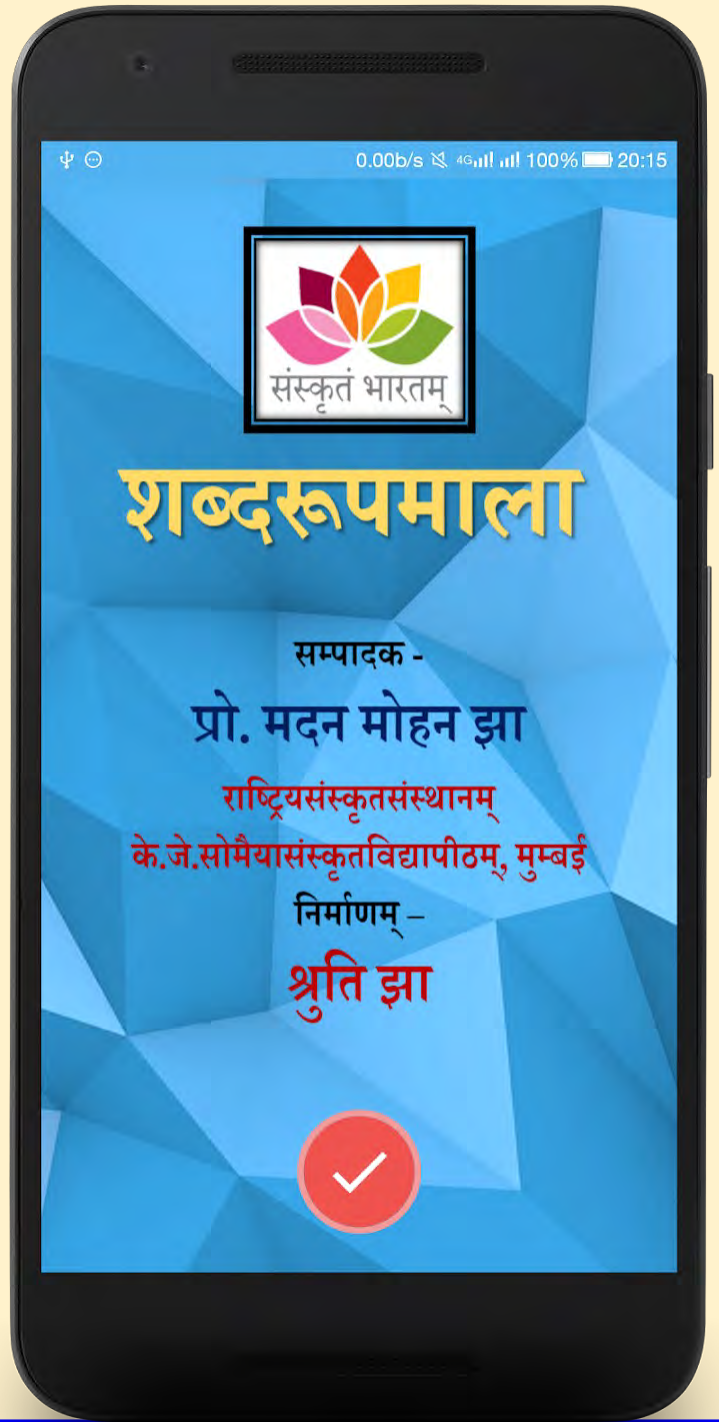

शब्दरूपमाला

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.shabdroopmala

डाउनलोड संख्या-15.1K

Shabdroopmala on Android provides a learning experience as never before. This app has word forms of various different words in Sanskrit for all Gender, Vibhaktis and Vachana. The app also features three Vachans and seven Vibhaktis of the word form.

The app works in completely offline mode.

Vachaspatyam on Android provides a learning experience as never before.This App has Sanskrit words and their meanings with reference that are intuitive and relevant for the continuously evolving learning needs of today's kids and adults. Keeping that in mind,words are handpicked.Vachaspatyam on Android is infectious; once glued - the quest of Knowledge will never end.

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.vachaspatyam

Download-
6.44 K

कोशों की परम्परा में मै ने एण्ड्रॉयड कोश का प्रारम्भ किया । इस शृंखला में वाचस्पत्यम्, शब्दकल्पद्रुम, संस्कृत हिन्दी कोश , संस्कृत अंग्रेजी कोश, अमर कोश (जिसमें सभी कोशों को संग्रह है) आदि । इसी क्रम में अव प्रस्तुत है हिन्दी शब्दकोश । इसमें न केवल हिन्दी शब्दों का अर्थ है अपितु संम्पूर्ण व्याकरण भी उस शब्द का प्रस्तुत किया गया है ।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shruti.hindishabdkosh

Download-
4.04 K

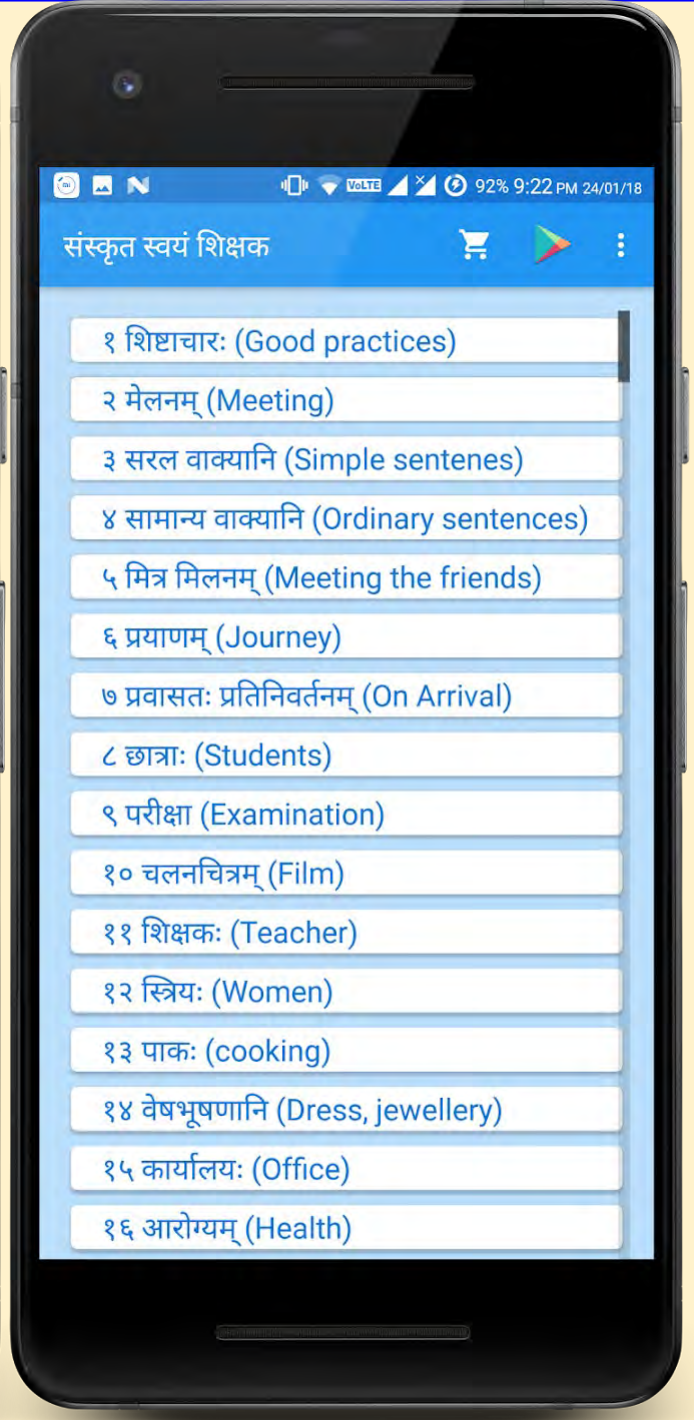

बाल मनोविज्ञान के विकास ने यह सिद्ध कर दिया है कि शिक्षा केंद्र न तो विषय है न अध्यापक वरन् छात्र है तब से शिक्षण में सक्रियता को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। करके सीखना (learning by doing) अर्थात् स्वानुभव द्वारा ज्ञान प्राप्त करना आजकल का सर्वाधिक व्यापक शिक्षणसिद्धांत है। अत: रूसों से लेकर मांटेसरी और ड्यूबी तक शिक्षाशास्त्रियों ने बच्चों की ज्ञानेंद्रियों को अधिक कार्यशील बनाने तथा उनके द्वारा शिक्षा देने पर अधिक बल दिया है।परन्तु संस्कृत में अभी भी इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है जो संस्कृत की लोकप्रियता में प्रचार प्रसार में बाधक प्रतीत होता है। अत: शिक्षाशास्त्र के विविध प्रविधियों का प्रयोग संस्कृतभाषाध्यापन में भी औचित्यपूर्ण प्रतीत होता है। इसी अवधारणा के आधार पर हमने इस एप का निर्माण किया है। आशा है कि यह एप संस्कृत सीखने में सहयोगी सिद्ध होगा।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.learnsanskrit

Dhaatu Roopmala | Sanskrit

Srujan Jha

Contains ads · In-app purchases

4.6★ 1.54T reviews | 1L+ Downloads | 3+ Rated for 3+

Install on more devices | Share

This app is available for all of your devices | You can share this with your family. Learn more about Family Library

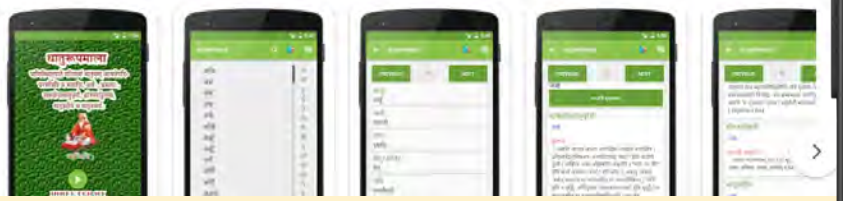

The Sanskrit verbal system is very complex, with verbs inflecting for different combinations of tense, aspect, mood, number, and person. Participial forms are also extensively used. There are two broad ways of classifying Sanskrit verbal roots. They are: Parasmaipadi (परस्मैपदी) and Atmanepadi (आत्मनेपदी). But some roots are Ubhayapadi (उभयपदी) i.e. they are conjugated as Parasmaipadi as well as Atmanepadi roots. Verbs are classified into Ten gaṇas and Seṭ and aniṭ roots.

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.dhatuvrttis

Download-
12.8 K

Shabdakalpadruma on Android provides a learning experience as never before.This App has Sanskrit words and their meanings with reference that are intuitive and relevant for the continuously evolving learning needs of today's kids and adults. Keeping that in mind,words are handpicked.Shabdakalpadruma on Android is infectious; once glued - the quest of Knowledge will never end.

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.sanskrit_sanskrit

Download-
9.44 K

अत्यंत उपयोगी छात्रों केलिए। आवृत्ति करें या कक्षा मे पढ़ें। सर्वार्थसाधिका ALL IN ONE वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (मूलपाठ) प्रकरणानुसारी जी हाँ। देखने में मात्र मूलपाठ। जिससे छात्र कक्षा में पढ सकते हैं अध्यापक पढा सकते हैं। कहीं भी बैठे बैठे आवृत्ति कर सकते हैं। पर सूत्रसंख्या को क्लिक करते ही सम्पूर्ण व्याकरणशास्त्र आपके हाथों में उपस्थित होगा। अर्थात् क्लिक करते ही उस सूत्र के समास, अर्थ, व्याख्या, बालमनोरमा, प्रौढमनोरमा, तत्त्वबोधिनी, काशिका, न्यास, प्रथमावृत्ति, महाभाष्य आदि सभी आपके मोबाइल पर उपस्थित होगा, वो भी विना नेट चलाए। अर्थात् सम्पूर्ण व्याकरणशास्त्र एक क्लिक पर आपके हाथों में। एकबार अवश्य प्रयोग कर के देखें।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.siddhantkaumudibook

10T+
Downloads

कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के आचार्य सुरेश्वर झा जी जो मेरे परमादरणीय श्रद्धेय गुरुदेव है ने सम्पूर्ण अष्टाध्यायी के सूत्रों के सरल बोधगम्य वृत्ति लिखे हैं। इसमे सभी सूत्रों के उदाहरण तथा जिन पदों कि अनुवृत्ति जिन सूत्रों मे जाती है उसका भी निर्देश किए है। साथ ही क्रमबद्ध रूप से गणपाठ का भी उल्लेख किए हैं । शीघ्र ही हिन्दी अनुवाद भी प्रस्तुत होने की सम्भावना है। प्रस्तुत ग्रन्थ का एण्ड्रायड एप बना कर सम्प्रति गुरुदेव को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रणामाञ्जलि समर्पित करता हूं।

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.ashtadhyayichandrika

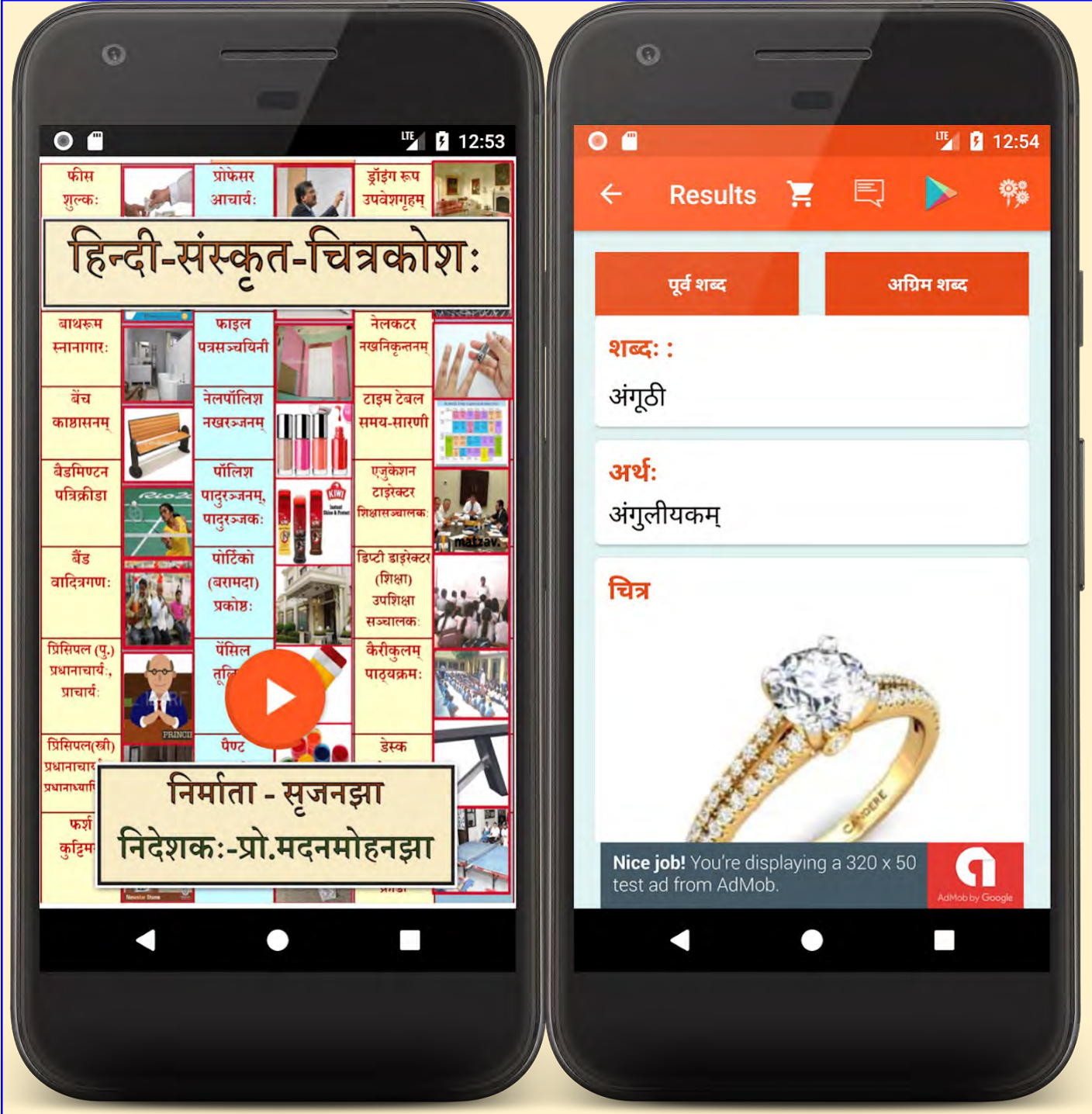

हिन्दी संस्कृत चित्रकोश। अद्भुत एप। पूर्णत: परिस्कृत एवं परिवर्धित एण्ड्रॉयड एप। बच्चों तथा विद्यालयीय छात्रों के लिए सरलतम संस्कृत विजुअल डिक्शनरी। सभी व्यावहारिक हिन्दी शब्दों का संस्कृत नाम के साथ उसका चित्र भी दिखाता हैं। प्रयोग करके देखें। यह एक प्रयोग है। ऐसा ही इसका वृहत्संस्करण भी बनेगा। अगर आप लोगों का सहयोग रहा। आप शब्द दें हम उसका भी चित्र डालेंगे। चित्र होने के कारण थोडा बडा वन गया फिर भी पुन: छोटा किया हूँ। आशा है अन्य एप के तरह यह भी पसन्द आएगा।

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.visualhindidictionary

दैनन्दिन-सम्भाषणाय नित्यव्यवहारोपयोगिसामान्यशब्दाः आवश्यकाः भवन्ति। यथा–बन्धुबान्धवानां नाम, शरीराङ्गानां नाम, फलानां नाम, शाकानां नाम, गृहोपयोगिवस्तूनां नाम, भोज्यपदार्थानां नाम इत्यादयः। अतः एतादृशव्यावहारिकशब्दानां संग्रहः एतस्मिन् सम्भाषणकोषे कृतम्।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.sambhashan

Download-
3.7 K

सत्यपि व्याकरणाध्यापनाध्ययनस्य च विभिन्ने मार्गे संगणकदूरभाषणादिमाध्यमेन अध्ययनाध्यापनञ्चामोदाय सौकर्याय च भवति इत्यत्र न संशयलेशः । विशिष्य चात्र व्याकरणशास्त्रे धातुपाठमाश्रित्य एन्ड्रायड एप इति कार्यक्रमस्य निर्माणं विधाय प्रस्तूयते । विदितमेवैतत् यत्पाणिनीयधातुपाठे उपद्विसहस्रं धातवः सन्ति । तेषां धातूनां आत्मनेपदत्वं, परस्मैपदत्वं, उभयपदत्वं च रूपं मम धातुरूपमाला एति एण्ड्रॉयड एप मध्ये अस्ति । सम्पूर्णकृदन्तरूपमालायाः कार्यं प्रगतिपपथि वर्तते यत्र विशिष्टसूत्रोल्लेखपुरस्सरं सर्वेषां धातुनां रूपाणि सर्वेषु प्रत्ययेषु प्रस्तौष्यामि । अत्र केवलं सर्वेषां धातुनामर्थः, क्त क्तवतु क्त्वा ल्यप् तुमुन् तव्यत् तृच् ण्वुल् घञ् (ण्)यत् अनीयर् प्रत्ययेषु रूपाणि च निर्दिश्यमानानि उपलभ्यन्ते।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.kridantroopadarshika

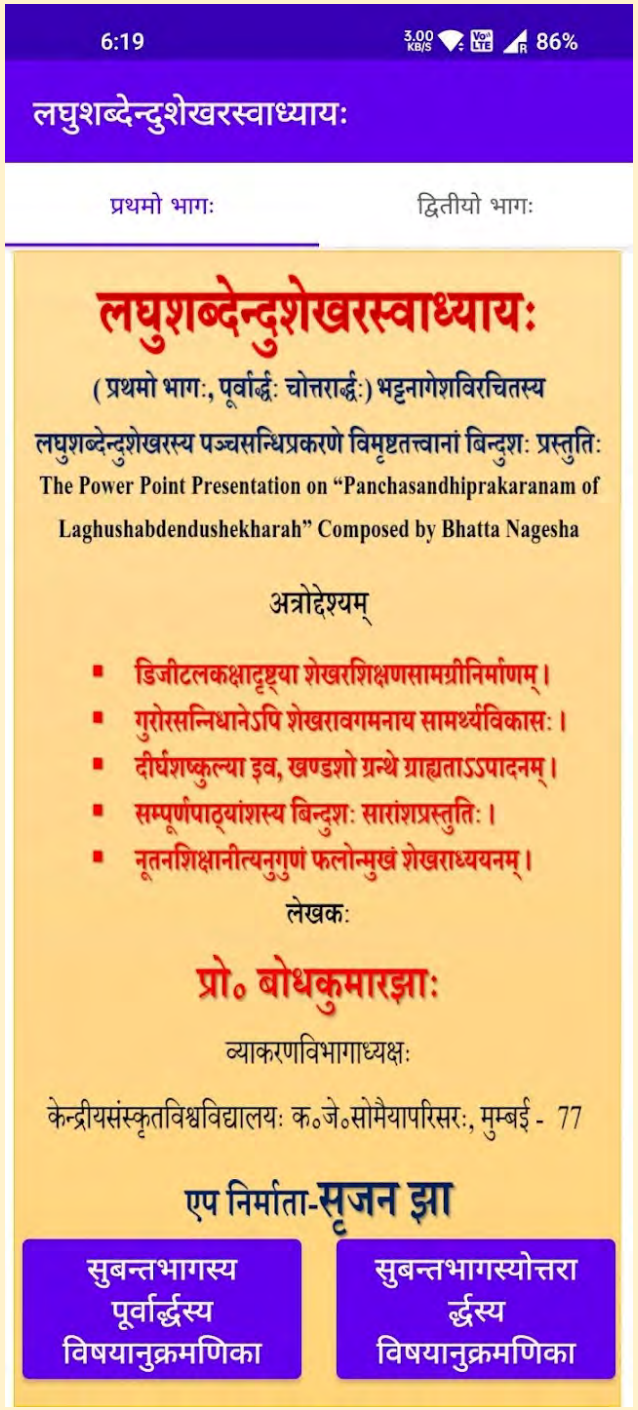

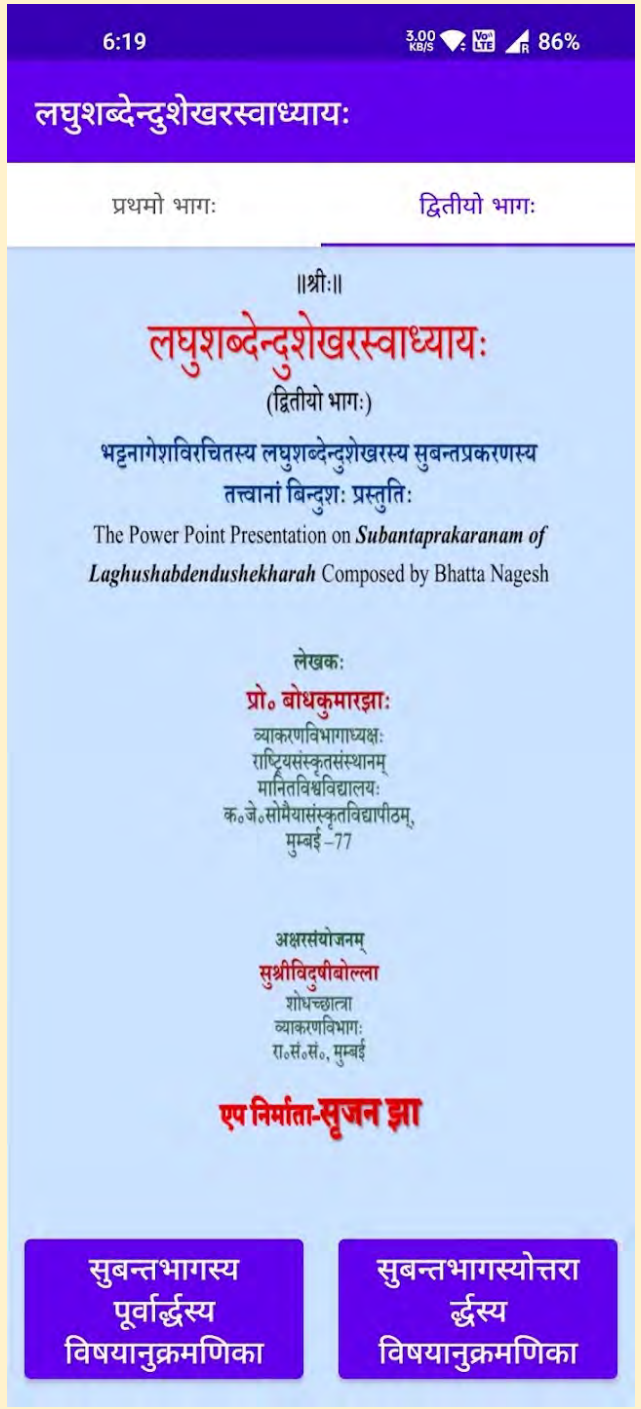

आचार्य बोधकुमार झा जी ने तो शेखर को पूरा सुगम बना दिया। जी हाँ अब शेखर पढने केलिए गुरुजी की आवश्यकता ही नहीं। आपके पास मोवाइल होनी चाहिए तथा मोवाइल में ये एप। हर शंका का समाधान इस एप में उपलब्ध है। एकवार प्रयोग कर के देखें। डिजीटलकक्षादृष्ट्या शेखरशिक्षणसामग्रीनिर्माणम्। गुरोरसन्निधानेऽपि शेखरावगमनाय सामर्थ्यविकासः। दीर्घशष्कुल्या इव, खण्डशो ग्रन्थे ग्राह्यताऽऽपादनम्। सम्पूर्णपाठ्यांशस्य बिन्दुशः सारांशप्रस्तुतिः। नूतनशिक्षानीत्यनुगुणं फलोन्मुखं शेखराध्ययनम्।

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.srujanjha.laghushabd

"भाषादक्षतापरीक्षणम्" नामक यह एंड्रॉयड ऐप संस्कृत विषय के स्नातक और परास्नातक की विषयवस्तु पर केंद्रित है। संस्कृत विषय के विविध प्रश्नपत्रों को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण किया गया है। साहित्य, व्याकरण, दर्शन, वेद आदि से सन्दर्भित प्रश्नावलियों का संकलन यहाँ किया गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे NET, SLET, JRF, CPSST, CPSAT, CSVVT आदि) के अनुकूल वस्तुनिष्ठता पर आधारित प्रश्नपत्रों का प्रारूप इस ऐप की मुख्य विशेषता है। संस्कृत एक ऐसा विषय है जिसमें अथाह ज्ञानराशि समायोजित है। सुधी विद्यार्थियों के हितार्थ, प्रतिभागियों के लाभार्थ, "भाषादक्षतापरीक्षणम्" ऐप में तीस से चालीस प्रारूप प्रश्नपत्र दिए जा रहे हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र में विषयनिष्ठ विविध प्रशाखाओं के पचास प्रश्न है, और प्रत्येक प्रश्न के चार उत्तर दिए गए हैं, जिनमें से कोई एक उत्तर सही है। शेष तीन संशय नियामक हैं। इस ऐप में एक खेल की तरह आधे घण्टे का समय निर्धारित है, अब इस आधे घण्टे में पचास प्रश्नों के सही उत्तर पर टिक करना है। यदि गलत टिक हुआ टिक किया हुआ उत्तर लाल रंग का होगा तथा जो सही उत्तर होगा उसका रंग हरा हो जाएगा फिर अगले प्रश्न पर जाने का संकेत भी हो जाएगा और उत्तर यदि सही हुआ तो सही उत्तर का रंग हरा हो जाएगा। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्तांक निर्दिष्ट हो जाएगा।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.sanskritquiz

Sanskrit-Hindi Dictionary on Android provides a learning experience as never before.This App has Sanskrit words and their meanings that are intuitive and relevant for the continuously evolving learning needs of today's kids and adults. Keeping that in mind,words are handpicked.Sanskrit-Hindi Dictionary on Android is infectious; once glued - the quest of Knowledge will never end.
The app works in completely offline mode.

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.sanskrit_hindidictionary

10L+ Downloads

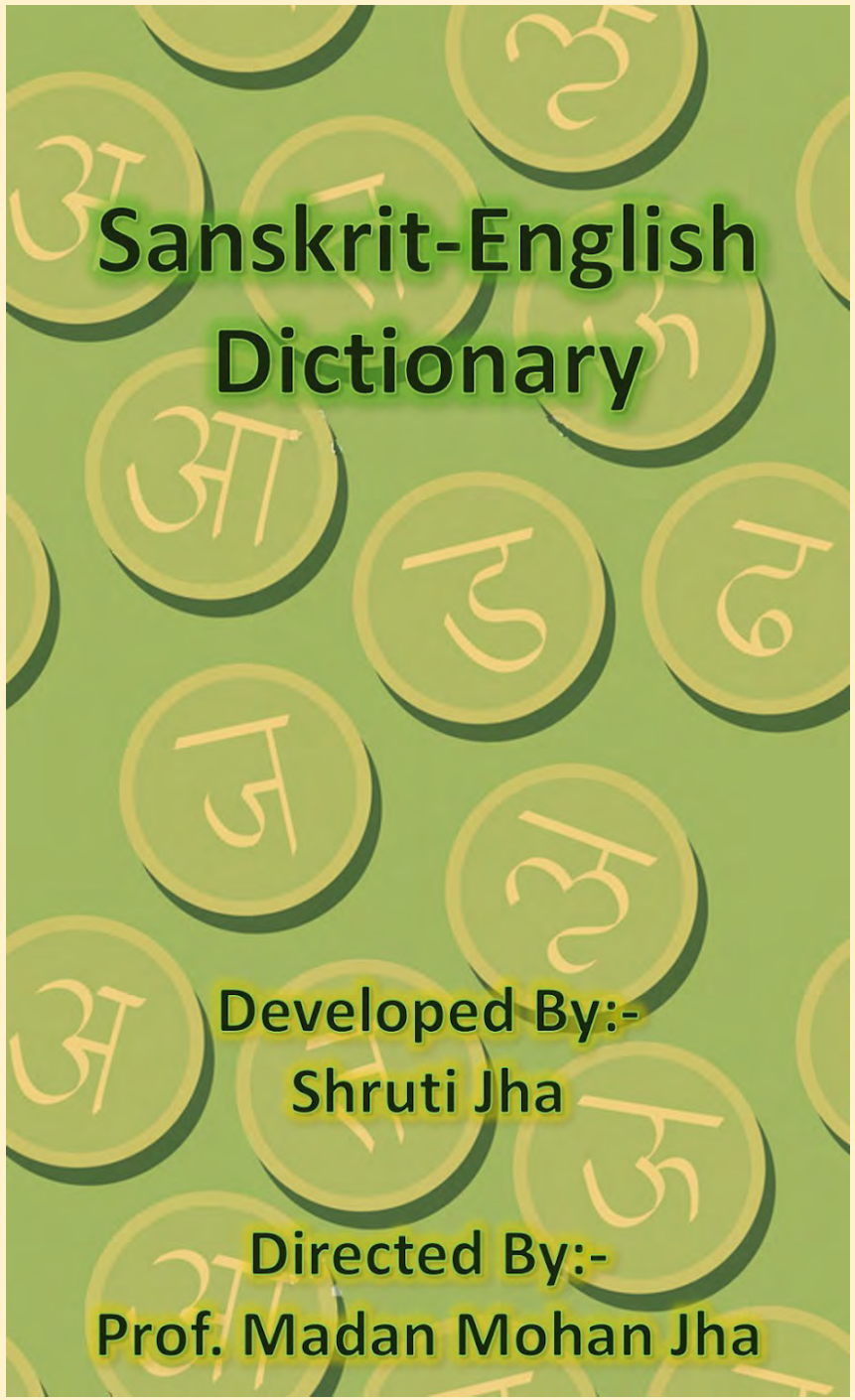

Sanskrit-English Dictionary on Android provides a learning experience as never before.This App has Sanskrit words and their meanings that are intuitive and relevant for the continuously evolving learning needs of today's kids and adults. Keeping that in mind,words are handpicked.Sanskrit-English Dictionary on Android is infectious; once glued - the quest of Knowledge will never end. If you haven't tried or tried but are still looking; check it out, NOW!"

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shruti.sanskritdictionary

1L+ Downloads

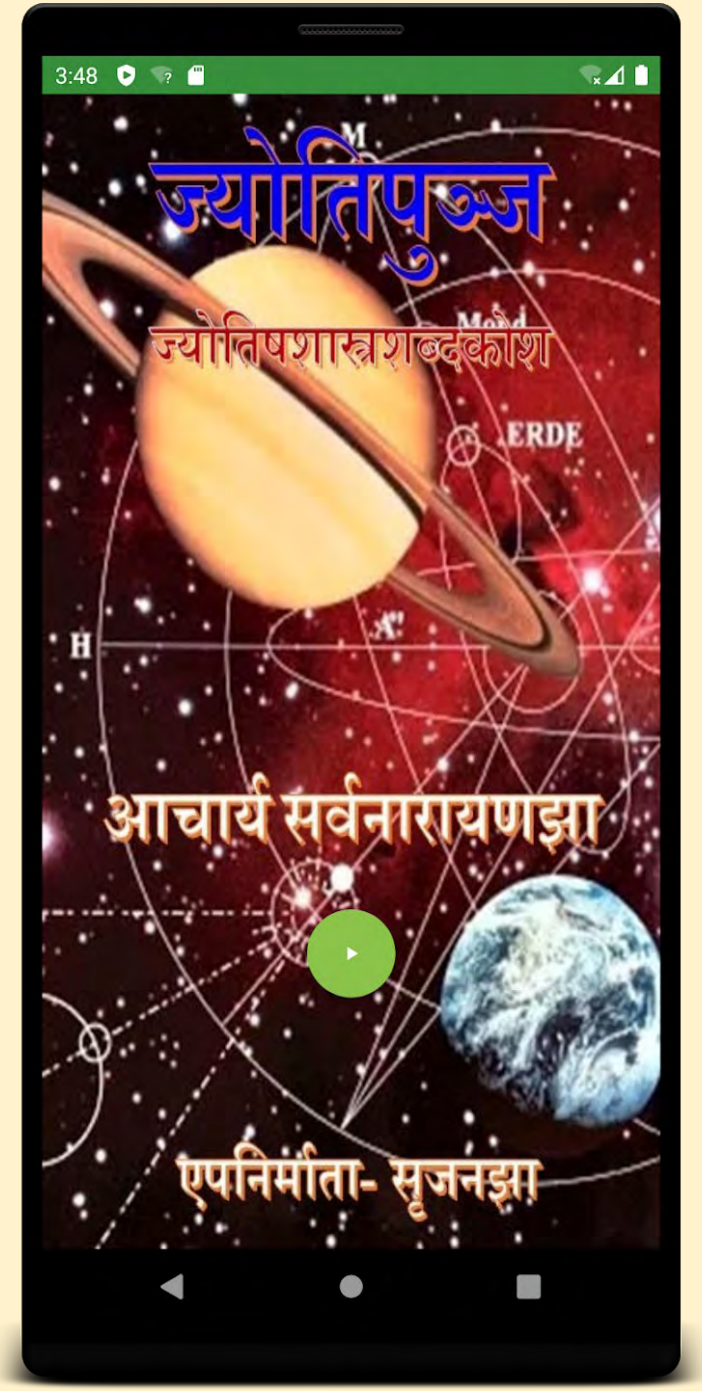

यह लघु कोश ज्योतिष शास्त्र के जिज्ञासुओं के लिए एक पथप्रदर्शक का कार्य करेगा। सामान्यत: व्यवहार में आने वाले पारिभाषिकों का यह सङ्कलन ज्योतिष शास्त्र के छात्रों को बहुत पसन्द आया इसलिए इसका अतिशीघ्र ही पुनर्मुद्रण कराना पड़ा है। यह कार्य ज्योतिष शास्त्र में इस विधा के ग्रन्थ प्रणयन का श्रीगणेश मात्र है।

इसका पुनर्मुद्रण के बजाय इसका द्वितीय संस्करण प्रकाश में लाया जा सकता था लेकिन सारा प्रयास ज्योतिषशास्त्र बृहत्कोश में लगा है। यथाशीघ्र यह बृहत्कोश पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें ज्योतिष शास्त्र के सभी स्कन्धों के पारिभाषिकों के शब्दार्थ एवं आवश्यकतानुसार लघु निबन्ध भी होंगे। इसकी एक और विशेषता होगी कि इसमें सम्प्रति उपलब्ध ग्रन्थ और ग्रन्थकारों का परिचय भी रहेगा।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.jyotipunj

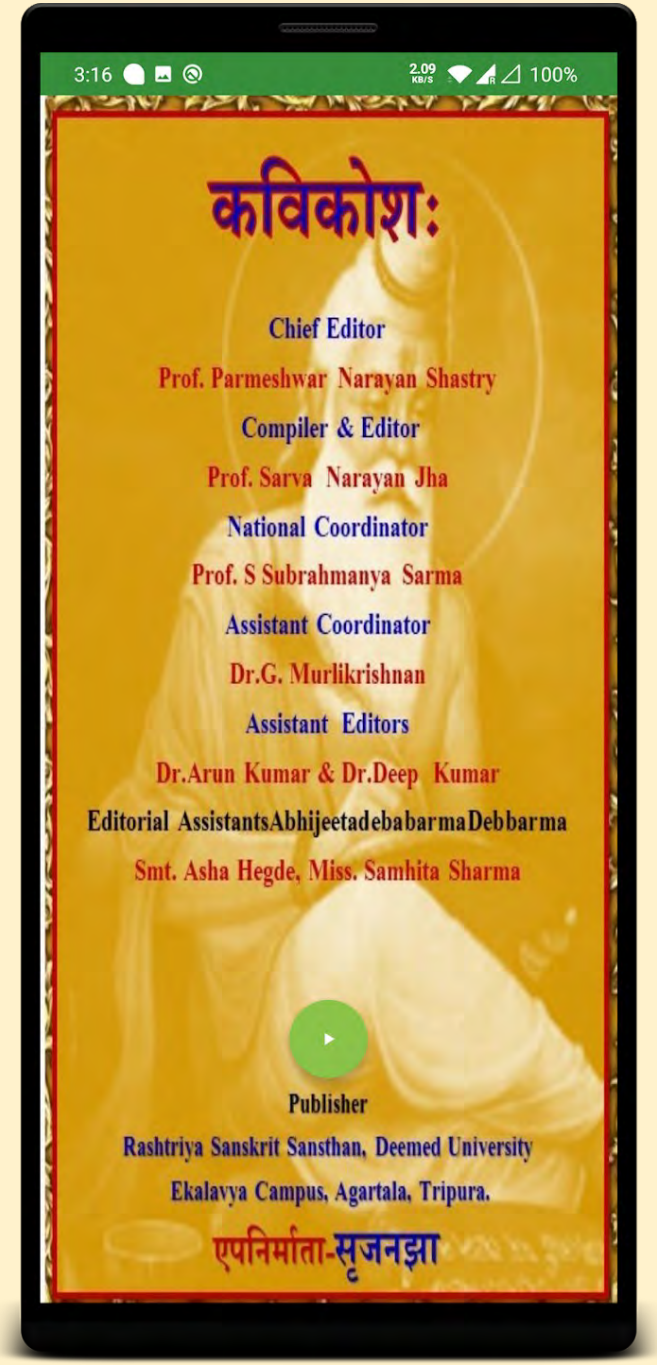

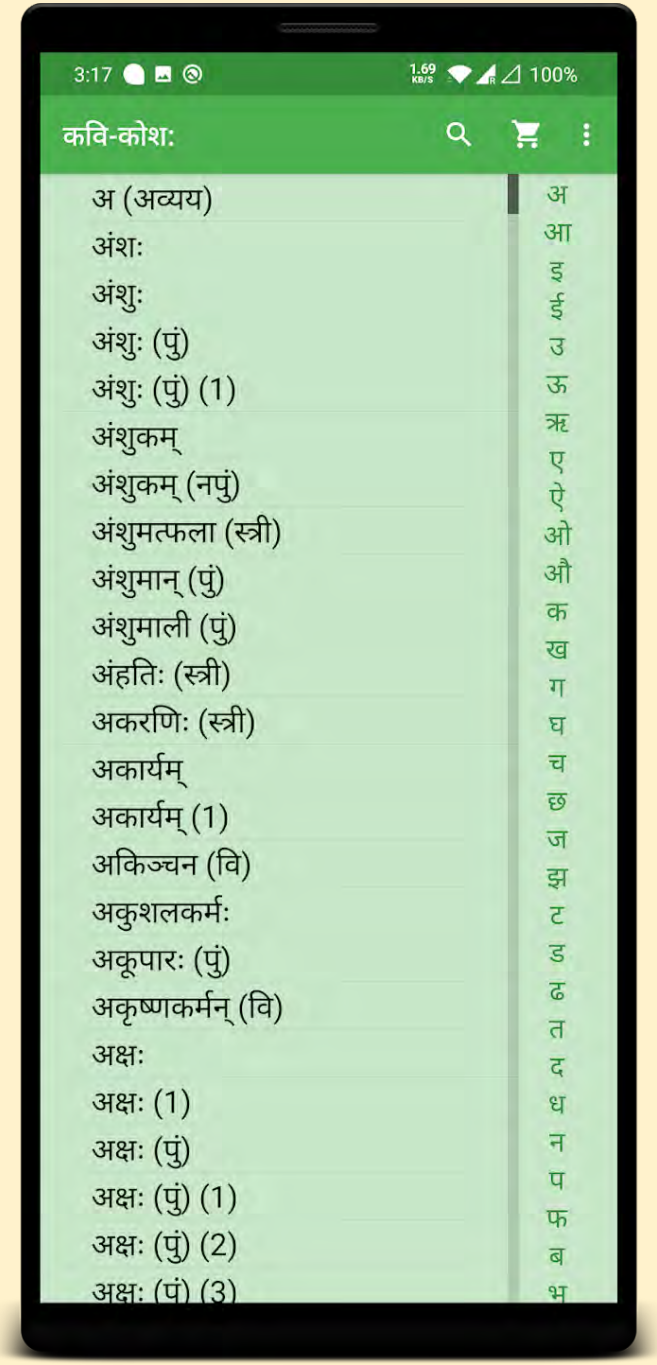

The internal world of the poets is stronger than other. They have more imagination or conjecture power. They think all day long for composing shlokas in different chhandas. They would like to compose shlokas even at the time of walking. Sometimes they experience scarcity of similar word having proper meaning as well as required matras i.e. laghu, guru etc. to make appropriate chhanda. We hope the Kavikosha will fulfill their need as this kosh has a lot of synonyms. All the synonymes/words have been compiled from the Amarkosh, Halayudha kosha and Ekaksharakosha. The kosha, I think will be of immense help to the poets who are engaged in composing poetries as per chhandashastra as well as to those who are actively engaged in developing new trend of poetry.

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.kavikosh

EDU-NET on Android provides a learning experience as never before.

The basic objective of National Eligibility Test or NET is to determine eligibility for college & university level lectureship and for award of Junior Research Fellowship (JRF) for Indian nationals in order to ensure minimum standards for the entrants in the teaching profession and research.

EDU-NET comprises of question papers of previous years of this examination in a more subtle way of learning. The papers are provided in terms of quizzes. Each quiz can be timed. The score is calculated as +1 for correct answer and 0 for wrong answer.

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.quizapp

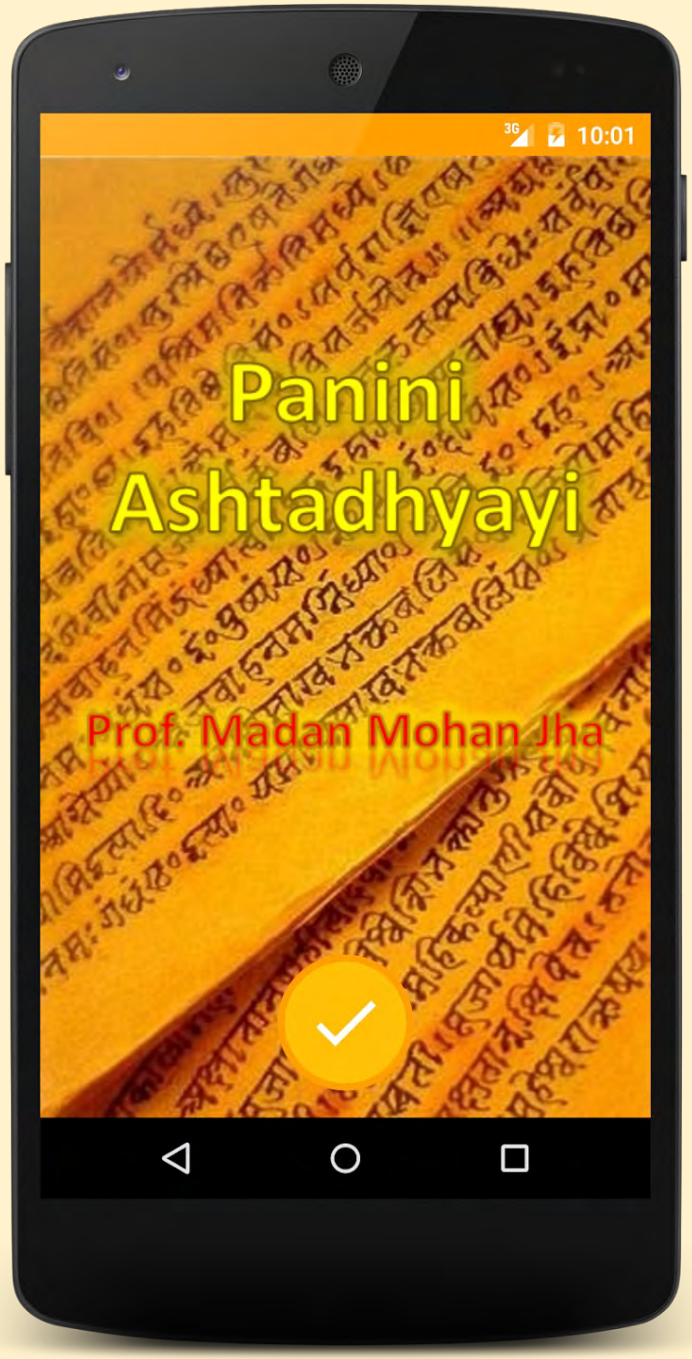

The Ashtadhyayi is one of the earliest known grammars of Sanskrit, although Pāṇini refers to previous texts like the Unadisutra, Dhatupatha, and Ganapatha. It is the earliest known work on linguistic description, and together with the work of his immediate predecessors (the Niruktas, Nighantus, and Pratishakyas) stands at the beginning of the history of linguistics itself. His theory of morphological analysis was more advanced than any equivalent Western theory before the mid 20th century, and his analysis of noun compounds still forms the basis of modern linguistic theories of compounding, which have borrowed Sanskrit terms such as bahuvrihi and dvandva.

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.paniniashtadhyayi

The Ashtadhyayi is one of the earliest known grammars of Sanskrit, although Pāṇini refers to previous texts like the Unadisutra, Dhatupatha, and Ganapatha. It is the earliest known work on linguistic description, and together with the work of his immediate predecessors (the Niruktas, Nighantus, and Pratishakyas) stands at the beginning of the history of linguistics itself. His theory of morphological analysis was more advanced than any equivalent Western theory before the mid 20th century, and his analysis of noun compounds still forms the basis of modern linguistic theories of compounding, which have borrowed Sanskrit terms such as bahuvrihi and dvandva.

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.ashtadhyayivarnanukramanika

सत्यपि व्याकरणाध्यापनाध्ययनस्य च विभिन्ने मार्गे संगणकदूरभाषणादिमाध्यमेन अध्ययनाध्यापनञ्चामोदाय सौकर्याय च भवति इत्यत्र न संशयलेशः। विशिष्य चात्र व्याकरणशास्त्रे धातुपाठमाश्रित्य एन्ड्रायड एप इति कार्यक्रमस्य निर्माणं विधाय प्रस्तूयते। विदितमेवैतत् यत्पाणिनीयधातुपाठे उपद्विसहस्रं धातवः सन्ति। तेषां धातूनां आत्मनेपदत्वं, परस्मैपदत्वं, उभयपदत्वं च रूपं मम धातुरूपमाला एति एण्ड्रॉयड एप मध्ये अस्ति। सम्पूर्णकृदन्तरूपमालायाः कार्यं प्रगतिपपथि वर्तते यत्र विशिष्टसूत्रोल्लेखपुरस्सरं सर्वेषां धातूनां रूपाणि सर्वेषु प्रत्ययेषु प्रस्तौष्यामि।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shrutijha.kridant

तकनीक के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति के हाथ तक संस्कृत की पुस्तक पहुंचाने के लक्ष्य को पाने की अभिलाषा से मैं "ई-पुस्तक संग्रह" लेकर आपके समक्ष प्रस्तुत हूँ। एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक ज्ञान को संक्रान्त करने के लिए समय-समय पर अनेक आधारों का प्रयोग किया गया। आज डिजिटल दौर में ज्ञान के आधार में परिवर्तन समय की मांग है। दूरभाष यंत्र भी उनमें से एक है, जिसके माध्यम से अब ईप्सित पुस्तक को पढ़ना संभव हो पा रहा है। हम इस ऐप में हजारों वर्षों तक विकसित व प्रसृत होती रही अपनी विद्या व परम्परा, जो संस्कृत भाषा में लिखी गयी है, को लेकर आ चुके हैं। "पुस्तक संदर्शिका" एप पर पुस्तक पढ़ने की सुविधा दिए जाने की मांग होती रही है। यह ऐप उस मांग की परिणति है।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.sanskritbooks

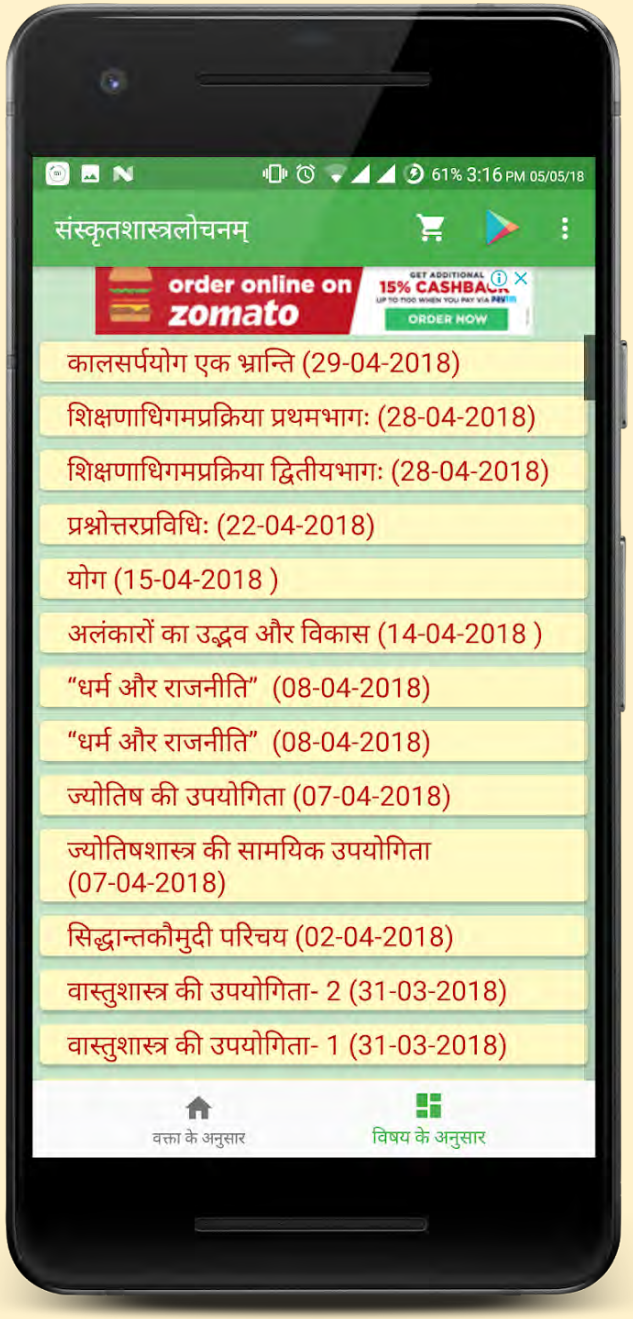

हमने सोचा कि क्यों न सारे व्याख्यानों का या शास्त्रालोचनम् का एक एण्ड्रायड एप बना लिया जाए जिससे कभी भी किसी भी विद्वान का व्याख्यान सुन सकते है। इस एप में विद्वानों के नाम से अथवा उनके द्वारा प्रदत्त व्याख्यान के शीर्षक से व्याख्यान का अन्वेषण कर सकते है। व्याख्यान के अन्वेषणोपरान्त व्याख्याता के चित्र पर क्लिक करने से वह व्याख्यान उपभोक्ता देख सकते है। भविष्य में भी प्रतिसप्ताह होनेवाले व्याख्यानों को भी इस एप में जोडा जा सकेगा। उपभोक्ता अपने एप को जब कभी अपडेट करेंगे तो नए व्याख्यान उनके एप में स्वतः जुड जाएंगे। इस तरह जिस किसी के पास यह एप होगा वे किसी भी व्याख्यान ने वंचित नहीं रह पायेंगे। संस्कृतं भारतं पर जितने भी लाइव्ह कार्यक्रम में काव्यपाठादि हुए है या होंगे उन्हें भी इस एप में भविष्य में जोडा जाता रहेगा। जिससे उपभोक्ता लाभान्वित हो पाएंगे।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.srujanjha.shastralochanam

संस्कृत हितचिंतकों के सहयोग से मैंने इसमें उपलब्ध डाटा का निर्माण किया है। ऐप निर्माण के क्षेत्र में बहुश्रुत प्रो. मदन मोहन झा जी का हमें सतत् मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। आपके पुत्र श्री सृजन झा तथा पुत्री कु. श्रुति झा ने तकनीकी सहयोग पूर्वक विद्यालय प्रदर्शक ऐप का निर्माण कर आपके हाथों तक उपलब्ध कराया है।

https://play.google.com/store/apps/details?id=org.shruti.schoollocator

Shabdakalpadruma | Sanskrit ONLINE

Shabdakalpadruma | Sanskrit ON

Srujan Jha

Contains ads · In-app purchases

4.1★ 119 reviews | 10T+ Downloads | 3+ Rated for 3+

Install on more devices | Share

This app is available for all of your devices

You can share this with your family. Learn more about Family Library

Shabdakalpadruma on Android provides a learning experience as never before.This App has Sanskrit words and their meanings with reference that are intuitive and relevant for the continuously evolving learning needs of today's kids and adults. Keeping that in mind,words are handpicked.Shabdakalpadruma on Android is infectious; once glued - the quest of Knowledge will never end.

Dhaatu Roopmala | Sanskrit ONLINE

Dhaatu Roopmala | Sanskrit ONL

Srujan Jha

Contains ads · In-app purchases

3.9★ 103 reviews | 10T+ Downloads | 3+ Rated for 3+

Install on more devices | Share

This app is available for all of your devices

You can share this with your family. Learn more about Family Library

The Sanskrit verbal system is very complex, with verbs inflecting for different combinations of tense, aspect, mood, number, and person. Participial forms are also extensively used. There are two broad ways of classifying Sanskrit verbal roots. They are: Parasmaipadi (परस्मैपदी) and Atmanepadi (आत्मनेपदी). But some roots are Ubhayapadi (उभयपदी) i.e. they are conjugated as Parasmaipadi as well as Atmanepadi roots. Verbs are classified into Ten gaṇas and Seṭ and aniṭ roots.

शास्त्रशिक्षणम्। संस्कृतं भारतम् पर इस कोरोना काल में बहुत सारे शास्त्रीयग्रन्थों का पङ्क्तिशः व्याख्यान देश के प्रसिद्ध विद्वानों से कराए गए । इस क्रम के सारे व्याख्यान विषयानुसार निम्नलिखित है- काव्यप्रकाश- डॉ.निरंजन मिश्र, दशरूपकम्- डॉ.कल्पना द्विवेदी, रसगंगाधर - डॉ.निरंजनमिश्र, छन्द- डॉ.कमला पाण्डेय, डॉ. रसराज, सिद्धान्तकौमुदी डॉ. कान्ता भाटिया , डॉ. वेंकटेश शर्मा, तर्कभाषा- डॉ. सुद्युम्नआचार्य, डॉ. महानन्द झा, वाक्यपदीयम्-डॉ.अम्बरीशमिश्र, न्यायसिद्धान्तमुक्तावलि, डॉ. महानन्द झा, वैदिक गणित- डॉ. सुद्युम्न आचार्य निरुक्त- डॉ. सुद्युम्नआचार्य, वेदान्तसार- डॉ. कल्पना पाण्डेय, अर्थसंग्रह- डॉ. धीरज कुमार पाण्डेय, वृहज्जातकम्- डॉ. गिरिजा शंकर शास्त्री वेदान्तपरिभाषा- डॉ. धीरज कुमार पाण्डेय लघुशब्देन्दुशेखर- डॉ. रमाकान्त पाण्डेय प्रौढमनोरम- डॉ. ब्रजभूषण ओझा, ध्वन्यालोक- डॉ.निरंजन मिश्र व्याकरण- विविध विद्वानों का व्याख्यान प्राविधिकं संस्कृतम्- प्रो.मदनमोहन झा, ज्योतिष- विविध विद्वानों का व्याख्यान, साहित्य- विविध विद्वानों का व्याख्यान, पुराण- आचार्य ईच्छाराम द्विवेदी, दर्शन- विविध विद्वानों का व्याख्यान, सामान्यसंस्कृत- विविध विद्वानों का व्याख्यान, कविसम्मेलन वेदवेदाङ्ग- विविध विद्वानों का व्याख्यान शिक्षाशास्त्र- विविध विद्वानों का व्याख्यान । इन सभी कक्षाओं का वीडिओ संस्कृतं भारतम् यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है । और पाठकों के लिये अब एप पर भी ।

अन्यासु लिपिषु पठन्तु

सम्बन्धभाष्यम्

- प्रथमोऽध्यायः - अर्जुनविषादयोगः
- द्वितीयोऽध्यायः - साङ्ख्ययोगः
- तृतीयोऽध्यायः - कर्मयोगः
- चतुर्थोऽध्यायः - ज्ञानकर्मसंन्यासयोगः
- पञ्चमोऽध्यायः - कर्मसंन्यासयोगः
- षष्ठोऽध्यायः - ध्यानयोगः
- सप्तमोऽध्यायः - ज्ञानविज्ञानयोगः
- अष्टमोऽध्यायः - अक्षरब्रह्मयोगः
- नवमोऽध्यायः - राजविद्याराजगुह्ययोगः

चतुर्थोऽध्यायः - ज्ञानकर्मसंन्यासयोगः

अन्वेषणम् -

ख्या	श्लोकाः
	श्रीभगवानुवाच इमं विवस्वते योगं प्रोक्तवानहमव्ययम् । विवस्वान्मनवे प्राह मनुरिक्ष्वाकवेऽब्रवीत् ॥ १ ॥
	एवं परम्पराप्राप्तमिमं राजर्षयो विदुः । स कालेनेह महता योगो नष्टः परन्तप ॥ २ ॥
	स एवायं मया तेऽद्य योगः प्रोक्तः पुरातनः । भक्तोऽसि मे सखा चेति रहस्यं ह्येतदुत्तमम् ॥ ३ ॥
	अर्जुन उवाच अपरं भवतो जन्म परं जन्म विवस्वतः । कथमेतद्विजानीयां त्वमादौ प्रोक्तवानिति ॥ ४ ॥
	श्रीभगवानुवाच बहूनि मे व्यतीतानि जन्मानि तव चार्जुन । तान्यहं वेद सर्वाणि न त्वं वेत्थ परन्तप ॥ ५ ॥
	अजोऽपि सन्नव्ययात्मा भूतानामीश्वरोऽपि सन् । प्रकृतिं स्वामधिष्ठाय सम्भवाम्यात्ममायया ॥ ६ ॥
	यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत । अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥ ७ ॥
	परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् । धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे

। श्रीमद्भगवद्गीता ।

शाङ्करभाष्यसहिता

Developer - **Dr. Vishwanath Hegde**
Asst. Professor in Advaita Vedanta,
Central Sanskrit University, R.G. Campu
Sringeri

Design : Raveesha N Bhat
Prabhat Hegde

सप्तमोऽध्यायः - ज्ञानविज्ञानयोगः

> **अपरेयमितस्त्वन्यां प्रकृतिं विद्धि मे पराम् ।**
> **जीवभूतां महाबाहो ययेदं धार्यते जगत् ॥ ५ ॥**

भाष्यम्

अपरा न परा निकृष्टा अशुद्धा अनर्थकरी संसारबन्धनात्मिका इयम् । इतः अस्याः यथोक्तायाः तु अन्यां विशुद्धां प्रकृतिं मम आत्मभूतां विद्धि मे परां प्रकृष्टां जीवभूतां क्षेत्रज्ञलक्षणां प्राणधारणनिमित्तभूतां हे महाबाहो, यया प्रकृत्या इदं धार्यते जगत् अन्तः प्रविष्टया ॥ ५ ॥

श्लोकाः Previous Next

- Devanagari
- Kannada
- Telugu
- Tamil
- Malayalam
- Gujrati
- Bengali
- Oriya

श्रीमद्भगवद्गीता

॥ प्रथमोऽध्यायः ॥

धृतराष्ट्र उवाच - धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय ॥ १ ॥
सञ्जय उवाच- दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा ।
आचार्यमुपसङ्गम्य राजा वचनमब्रवीत् ॥ २ ॥
पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम् ।
व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता ॥ ३ ॥
अत्र शूरा महेष्वासा भीमार्जुनसमा युधि ।
युयुधानो विराटश्च द्रुपदश्च महारथः ॥ ४ ॥
धृष्टकेतुश्चेकितानः काशीराजश्च वीर्यवान् ।
पुरुजित्कुन्तिभोजश्च शैव्यश्च नरपुङ्गवः ॥ ५ ॥
युधामन्युश्च विक्रान्त उत्तमौजाश्च वीर्यवान् ।
सौभद्रो द्रौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः ॥ ६ ॥
अस्माकं तु विशिष्टा ये तान्निबोध द्विजोत्तम ।
नायका मम सैन्यस्य संज्ञार्थं तान्ब्रवीमि ते ॥ ७ ॥

दशोपनिषदः

10 Upanishads

सम्पादकः
डा. विश्वनाथ हेगडे
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्
एकलव्यपरिसरः
अगरतला

विन्यासः
रवीश एन् भट्टः & प्रभात हेगडे

। श्रीमद्भगवद्गीता ।

शाङ्करभाष्यसहिता

Developer - **Dr. Vishwanath Hegde**
Asst. Professor in Advaita Vedanta
Central Sanskrit University, R.G. Camp
Sringeri

Design : Raveesha N Bhat
Prabhat Hegde

ब्रह्मसूत्राणि

(शाङ्करभाष्योपेतः शब्दान्वेषणसहितः तन्त्रांश

Editor - **Dr. Vishwanath Hegde**
Asst. Professor
CSU, R.G.Campus, Sringeri

Developed by: **Shri. Raveesha N**
ay Store deployment by: **Shri. Prabhat He**

Sanskrit Android Applications with search facility in multiple languages